|| पूजनीय प्रभु हमारे प्रार्थना ||

Chalisamantras.com

पूजनीय प्रभु हमारे,
भाव उज्जवल कीजिये ।
छोड़ देवें छल कपट को,
मानसिक बल दीजिये ॥

वेद की बोलें ऋचाएं,
सत्य को धारण करें ।
हर्ष में हो मग्न सारे,
शोक-सागर से तरें ॥

अश्वमेधादिक रचायें,
यज्ञ पर-उपकार को ।
धर्म- मर्यादा चलाकर,
लाभ दें संसार को ॥

नित्य श्रद्धा-भक्ति से,
यज्ञादि हम करते रहें ।
रोग-पीड़ित विश्व के,
संताप सब हरतें रहें ॥

भावना मिट जाये मन से,
पाप अत्याचार की ।
कामनाएं पूर्ण होवें,
यज्ञ से नर-नारि की ॥

लाभकारी हो हवन,
हर जीवधारी के लिए ।
वायु जल सर्वत्र हों,
शुभ गंध को धारण किये ॥

स्वार्थ-भाव मिटे हमारा,
प्रेम-पथ विस्तार हो ।

Chalisamantras.com

‘इदं न मम’ का सार्थक,
प्रत्येक में व्यवहार हो ॥

प्रेमरस में मग्न होकर,
वंदना हम कर रहे ।
नाथ करुणारूप ! करुणा,
आपकी सब पर रहे ॥

Chalisamantras.com

Chalisamantras.com